भारत सरकार
रक्षा मंत्रालय
रक्षा विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 473
05 फरवरी, 2020 को उत्तर के लिए

लड़ाकू विमानों का अधिग्रहण

473. **श्री एन. रेड्डप्प:**
श्री दयाकर पसुनूरी:

क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का विचार वायु सेना के कम होते विमानों की कमी को पूरा करने के लिए और विमानों का अधिग्रहण करने का है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और गत पांच वर्षों और चालू वर्ष के दौरान अभी तक कितने एलसीए तेजस मार्क आई ए आधुनिक लड़ाकू विमानों का अधिग्रहण किया गया है और अब तक ऐसे कितने आदेश दिए गए हैं;

(ग) अभी तक आमंत्रित की गई रुचि की अभिव्यक्तियों (ईओआई) और अनुरोध प्रस्ताव (आरएफपी) का ब्यौरा क्या है और उन पर अब तक क्या प्रतिक्रिया प्राप्त हुई है; और

(घ) क्या सरकार का विचार मिग 27 विमानों को हटाने का है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं?

उत्तर
रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री श्रीपाद नाईक)

(क) और (ख): भारतीय वायु सेना में लड़ाकू विमानों की कमी को दूर करने के लिए दो प्रवृत्त दृष्टिकोण अपनाए गए हैं अर्थात विरासत के रूप में मौजूदा विमानों की ऑपरेशनल क्षमता को बनाए रखने के लिए उनका मध्यसेवाकालीन अपग्रेडेशन करना और नए विमानों को भारतीय वायु सेना में शामिल करना ।

भारतीय वायु सेना ने 40 एल सी ए एमके 1 विमानों के लिए एचएएल के साथ संविदा की है जिसमें से 16 एलसीए एमके 1 विमानों की सुपुर्दगी हो चुकी है । भारतीय वायु सेना 83 अतिरिक्त एलसीए एमके 1ए विमानों की प्राप्ति करने की प्रक्रिया में है जिनके लिए संविदागत विचार-विमर्श जारी है । एलसीए एमके 1ए विमानों की सुपुर्दगी संविदा पर हस्ताक्षर होने की तारीख से तीन वर्षों में प्रारंभ होगी ।

(ग): 83 एलसीए एमके 1ए विमानों के लिए प्रस्ताव हेतु अनुरोध एचएएल को दिसम्बर 2017 में जारी किया गया था।

114 मल्टी रोल फाइटर एयरक्राफ्ट (एमआरएफए) की खरीद के लिए आरएफआई अप्रैल 2018 में जारी किया गया था।

(घ): कुल तकनीकी सेवाकाल के पूरा हो जाने एवं उनके प्रचालन में नहीं रह पाने के कारण 31 दिसम्बर 2019 से मिग 27 बेड़े को डिकमीशन कर दिया गया है।

***